C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'अ'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।
4) एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5) दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6) तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड – क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(2×4=8) (1×2=2) [10]

वाणी मनुष्य को ईश्वर की दी हुई एक बड़ी देन है। मनुष्य के जीवन में वाणी अर्थात् बोलचाल का विशेष महत्त्व होता है। किस समय पर क्या बोलना है, कितना बोलना है, इन सब बातों को ध्यान में रखना चाहिए। विषय से हटकर नहीं बोलना चाहिए। विशेष विचारों को विशेष शब्दों में व्यक्त करना चाहिए, ताकि सामने वाले व्यक्ति को उसका महत्त्व समझ में आ जाए। मनुष्य जितना संयमित होकर अपने विचार प्रकट करेगा उसके विचार उतने ही प्रभावकारी और अर्थपूर्ण होंगे। मनुष्य की अच्छाई-बुराई अथवा उसका आचरण उसकी वाणी से पहचाना जाता है। वाणी ही मस्तिष्क में उठने वाले विचारों तथा चिंतन को प्रकट करने का सशक्त साधन है। मनुष्य के सारे चिंतन शास्त्रों का आधार वाणी ही रही है। दर्शनों का भी यही प्रयास

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

रहा है कि विचारों को सही वाणी में पेश किया जाए। गंभीर चिंतन करने वाले अपने विचार प्रकट करने के लिए उपयुक्त वाणी की खोज में रहते हैं।

इस प्रकार मनुष्य के जीवन में सटीक वाणी ही उपयोगी और महत्वपूर्ण है।

इसीलिए बोलते समय सोच-समझकर, विचारकर के बोलना चाहिए।

1. ईश्वर ने मनुष्य को कौन-सी बड़ी देन दी है?
2. बोलते समय किस बात का ध्यान रखना चाहिए?
3. मनुष्य के विचार अर्थ-पूर्ण कब होगे?
4. मस्तिष्क में उठने वाले विचारों तथा चिंतन को प्रकट करने का सशक्त साधन क्या है?
5. विशेष विचारों को क्यों और किस प्रकार व्यक्त करना चाहिए?
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए?

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए: [1]

तिगुना, रस्सी

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए: [1]

उपदिशा, निबंध

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए: [1]

सहचर, सत्कर्म

घ) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए: [1]

ग्रामीण, बेलन

ड़) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए। [2]

- सुलोचना
- निस्संदेह

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

च) निम्नलिखित विग्रहों का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।[2]

- बुरी आत्मा वाला; कोई दुष्ट
- नीली है जो गाय

छ) अर्थ के आधार पर निम्न के वाक्य भेद बताइए : [4]

1. तुम्हारी यात्रा सफल हो।
2. छि :, ऐसा घृणित कार्य तुमने किया है।
3. तुम कौन हो?
4. संभवत: वह आज आयेगा।

ज) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए: [4]

1. तरणि के ही संग तरल तरंग में तरणि डूबी थी हमारी ताल में
2. कुटिल, कालबस, कालकवलु,
   करनी करह, कहि कायर, बहुबसी
3. मधुप गुनगुनाकर कह जाता (मन रूपी भँवरा)
4. सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक और पूरक पुस्तक]

प्र. 3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: [3×2=6]

यहाँ तिब्बत में यात्रियों के लिए बहुत सी तकलीफें भी हैं और कुछ आराम की बातें भी। वहाँ जाति-पाँति, छुआछूत का सवाल ही नहीं है और न औरतें परदा ही करती हैं। बहुत निम्नश्रेणी के भिखमंगों को लोग चोरी के डर से घर के भीतर नहीं आने देते नहीं तो आप बिलकुल घर के भीतर चले जा सकते हैं। चाहे आप बिलकुल अपरिचित हों, तब भी घर की बहू या सासू को अपनी झोली में से चाय दे सकते हैं। वह आपके लिए उसे पका देगी। मक्खन और सोडा-नमक दे दीजिए, वह चाय चोडी में कूटकर उसे दूधवाली

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

चाय के रंग की बना के मिट्टी के टोटीदार बरतन (खोटी) में रख के आपको दे देगी। यदि बैठक की जगह चूल्हे से दूर है और आपको डर है कि सारा मक्खन आपकी चाय में नहीं पड़ेगा, तो आप खुद जाकर चोडी में चाय मथकर ला सकते हैं। चाय का रंग तैयार हो जाने पर फिर नमक-मक्खन डालने की जरुरत होती है।

क) उपर्युक्त गद्यांश में कहाँ की बात की जा रही है?

ख) उपर्युक्त गद्यांश में तिब्बत के बारे में क्या बताया गया है?

ग) चाय में नमक मक्खन कब डालने की जरुरत होती है?

प्र. 4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. लारेंस की पत्नी फ्रीदा ने ऐसा क्यों कहा होगा की "मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया लारेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है?"
2. मैना की अंतिम इच्छा थी कि वह उस प्रासाद के ढेर पर बैठकर जी भरकर रो ले लेकिन पाषाण-हृदय वाले जनरल ने किस भय से उसकी इच्छा पूर्ण न होने दी?
3. नीचे दी गई पंक्तियों में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए-
   जिसे तुम घृणित समझते हो, उसकी तरफ हाथ की नहीं, पाँव की अँगुली से इशारा करते हो?
4. लेखिका ने छात्रावास का परिवेश बहुभाषी किस प्रकार था?
5. 'स्वतंत्रता सहज प्राप्त नहीं होती, उसके लिए संघर्ष करना पड़ता है, दो बैलों की कथा कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 5. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2×3=6]

मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं ।
मुकताफल मुकता चुगै, अब उड़ि अनत न जाहिं।1।

काबा फिरि कासी भया, रामहिं भया रहीम।
मोट चून मैदा भया, बैठी कबीरा जीम।2।

हस्ती चढ़िए ज्ञान कौ, सहज दुलीचा डारि।
स्वान रूप संसार है, भूँकन दे झख मारि।3।

1. 'मानसरोवर' से कवि का क्या अभिप्राय है?
2. मनुष्य ईश्वर को कहाँ-कहाँ ढूँढता फिरता है?
3. तीसरे दोहे में कवि ने किस प्रकार के ज्ञान को महत्त्व दिया है?

प्र. 6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. सखी ने गोपी से कृष्ण का कैसा रूप धारण करने का आग्रह किया था? वर्णन कीजिए।
2. कवि ने ऐसा क्यों कहा कि दक्षिण को लाँघ लेना संभव नहीं था?
3. बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है?
4. भाव स्पष्ट कीजिए- खा खाकर कुछ पाएगा नहीं, न खाकर बनेगा अंहकारी।
5. 'चन्द्र गहना लौटती बेर' कविता में चने के पौधे को ठिगना क्यों कहा गया है और वह किस प्रकार खड़ा है?

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [3×2=6]

1. डराने-धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी सही राह पर लाया जा सकता है- मेरे संग कि औरतें पाठ के आधार पर तर्क-सहित उत्तर दीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. 'रीढ़ की हड्डी' पाठ के आधार पर उमा की माँ 'प्रेमा' समाज के किस वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रही है और कैसे?

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए। [10]

- बेरोज़गारी
- सत्संगति
- निरक्षरता एक अभिशाप

प्र. 9. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

1. छोटी बहन नक़ल करते पकड़ी गई है, उसका दुष्परिणाम बताते हुए उसे पत्र लिखें।
2. आपके मोहल्ले में बिजली-आपूर्ति नियमित रुप से नहीं हो रही है बिजली-संस्थानक के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

प्र. 10. निम्नलिखित किसी एक विषय पर 25-30 शब्दों में संवाद लेखन करें। [5]

1. विद्यार्थी और बस कंडक्टर के बीच हो रहे संवाद लिखिए।
2. दो सहेलियों के मध्य वार्तालाप पर संवाद लेखन लिखिए:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'अ'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।
4) एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5) दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6) तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड – क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(2×4=8) (1×2=2) [10]

वाणी मनुष्य को ईश्वर की दी हुई एक बड़ी देन है। मनुष्य के जीवन में वाणी अर्थात् बोलचाल का विशेष महत्त्व होता है। किस समय पर क्या बोलना है, कितना बोलना है, इन सब बातों को ध्यान में रखना चाहिए। विषय से हटकर नहीं बोलना चाहिए। विशेष विचारों को विशेष शब्दों में व्यक्त करना चाहिए, ताकि सामने वाले व्यक्ति को उसका महत्त्व समझ में आ जाए। मनुष्य जितना संयमित होकर अपने विचार प्रकट करेगा उसके विचार उतने ही प्रभावकारी और अर्थपूर्ण होंगे। मनुष्य की अच्छाई-बुराई अथवा उसका आचरण उसकी वाणी से पहचाना जाता है। वाणी ही मस्तिष्क में उठने वाले विचारों तथा चिंतन को प्रकट करने का सशक्त साधन है। मनुष्य के सारे चिंतन शास्त्रों का आधार वाणी ही रही है। दर्शनों का भी यही प्रयास

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

रहा है कि विचारों को सही वाणी में पेश किया जाए। गंभीर चिंतन करने वाले अपने विचार प्रकट करने के लिए उपयुक्त वाणी की खोज में रहते हैं।

इस प्रकार मनुष्य के जीवन में सटीक वाणी ही उपयोगी और महत्वपूर्ण है। इसीलिए बोलते समय सोच-समझकर, विचारकर के बोलना चाहिए।

1. ईश्वर ने मनुष्य को कौन-सी बड़ी देन दी है?

   उत्तर : वाणी मनुष्य को ईश्वर की दी हुई एक बड़ी देन है। मनुष्य के जीवन में वाणी अर्थात् बोलचाल का विशेष महत्त्व होता है।

2. बोलते समय किस बात का ध्यान रखना चाहिए?

   उत्तर : वाणी मनुष्य को ईश्वर की दी हुई एक बड़ी देन है। मनुष्य के जीवन में वाणी अर्थात् बोलचाल का विशेष महत्त्व होता है। किस समय पर क्या बोलना है, कितना बोलना है, इन सब बातों को ध्यान में रखना चाहिए। विषय से हटकर नहीं बोलना चाहिए।

3. मनुष्य के विचार अर्थ-पूर्ण कब होगे?

   उत्तर : मनुष्य जितना संयमित होकर अपने विचार प्रकट करेगा उसके विचार उतने ही प्रभावकारी और अर्थपूर्ण होंगे।

4. मस्तिष्क में उठने वाले विचारों तथा चिंतन को प्रकट करने का सशक्त साधन क्या है?

   उत्तर : वाणी ही मस्तिष्क में उठने वाले विचारों तथा चिंतन को प्रकट करने का सशक्त साधन है। मनुष्य के सारे चिंतन शास्त्रों का आधार वाणी ही रही है। दर्शनों का भी यही प्रयास रहा है कि विचारों को सही वाणी में पेश किया जाए। गंभीर चिंतन करने वाले अपने विचार प्रकट करने के लिए उपयुक्त वाणी की खोज में रहते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. विशेष विचारों को क्यों और किस प्रकार व्यक्त करना चाहिए?

उत्तर : विशेष विचारों को विशेष शब्दों में व्यक्त करना चाहिए, ताकि सामनेवाले व्यक्ति को उसका महत्त्व समझ में आ जाए।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए?

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए 'वाणी का सदुपयोग' उचित शीर्षक है।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए: [1]

तिगुना, रस्सी

उत्तर : गुना, ई

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए: [1]

उपदिशा, निबंध

उत्तर : उप, नि

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए: [1]

सहचर, सत्कर्म

उत्तर : सह+चर, सत्+कर्म

घ) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए: [1]

ग्रामीण, बेलन

उत्तर : ग्राम+ईन, बेल+न

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ड़) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए। [2]

- सुलोचना
- निस्संदेह

समस्त पद	विग्रह	समास
सुलोचना	सुंदर है लोचन जिसके अर्थात् मेघनाद की पत्नी	बहुब्रीहि
निस्संदेह	संदेह के बिना	अव्ययीभाव

च) निम्नलिखित विग्रहों का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।[2]

- बुरी आत्मा वाला; कोई दुष्ट
- नीली है जो गाय

विग्रह	समस्त पद	समास
बुरी आत्मा वाला; कोई दुष्ट	दुरात्मा	बहुव्रीहि समास
नीली है जो गाय	नीलगाय	कर्मधारय समास

छ) अर्थ के आधार पर निम्न के वाक्य भेद बताइए : [4]

1. तुम्हारी यात्रा सफल हो।

   उत्तर : इच्छार्थक वाक्य

2. छि :, ऐसा घृणित कार्य तुमने किया है।

   उत्तर : विस्मयादिबोधक वाक्य

3. तुम कौन हो?

   उत्तर : प्रश्नवाचक वाक्य

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. संभवत: वह आज आयेगा।

उत्तर : संदेहार्थक वाक्य

ज) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए: [4]

1. तरणि के ही संग तरल तरंग में तरणि डूबी थी हमारी ताल में

उत्तर : यमक अलंकार

2. कुटिल, कालबस, कालकवलु,
करनी करह, कहि कायर, बहुबसी

उत्तर : अनुप्रास अलंकार

3. मधुप गुनगुनाकर कह जाता (मन रूपी भँवरा)

उत्तर : रूपक अलंकार

4. सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का

उत्तर : मानवीयकरण अलंकार

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक और पूरक पुस्तक]

प्र. 3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: [3×2=6]

यहाँ तिब्बत में यात्रियों के लिए बहुत सी तकलीफें भी हैं और कुछ आराम की बातें भी। वहाँ जाति-पाँति, छुआछूत का सवाल ही नहीं है और न औरतें परदा ही करती हैं। बहुत निम्नश्रेणी के भिखमंगों को लोग चोरी के डर से घर के भीतर नहीं आने देते नहीं तो आप बिलकुल घर के भीतर चले जा सकते हैं। चाहे आप बिलकुल अपरिचित हों, तब भी घर की बहू या सासू को अपनी झोली में से चाय दे सकते हैं। वह आपके लिए उसे पका देगी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

मक्खन और सोडा-नमक दे दीजिए, वह चाय चोडी में कूटकर उसे दूधवाली चाय के रंग की बना के मिट्टी के टोटीदार बरतन (खोटी) में रख के आपको दे देगी। यदि बैठक की जगह चूल्हे से दूर है और आपको डर है कि सारा मक्खन आपकी चाय में नहीं पड़ेगा, तो आप खुद जाकर चोडी में चाय मथकर ला सकते हैं। चाय का रंग तैयार हो जाने पर फिर नमक-मक्खन डालने की जरुरत होती है।

क) उपर्युक्त गद्यांश में कहाँ की बात की जा रही है?

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश में तिब्बत की बात की जा रही है।

ख) उपर्युक्त गद्यांश में तिब्बत के बारे में क्या बताया गया है?

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश में तिब्बत के बारे में यह बताया गया है कि तिब्बत में जाति-पाँति, छुआछूत को नहीं मानते हैं यहाँ तक कि औरतें परदा भी नहीं करती हैं। बहुत निम्नश्रेणी के भिखमंगों को लोग चोरी के डर से घर के भीतर नहीं आने देते नहीं तो आप बिलकुल घर के भीतर चले जा सकते हैं। चाहे आप बिलकुल अपरिचित हों। घर की स्त्रियाँ आपको बेझिझक चाय बना कर दे देती हैं।

ग) चाय में नमक मक्खन कब डालने की जरुरत होती है?

उत्तर : चाय का रंग तैयार हो जाने पर फिर नमक-मक्खन डालने की जरुरत होती है।

प्र. 4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. लारेंस की पत्नी फ्रीदा ने ऐसा क्यों कहा होगा की "मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया लारेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है?"

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर : लारेंस की पत्नी फ्रीडा जानती थी की लारेंस को गौरैया से बहुत प्रेम था। वे अपना काफी समय गौरैया के साथ बिताते थे। गौरैया भी उनके साथ अन्तरंग साथी जैसा व्यवहार करती थी। उनके इसी पक्षी-प्रेम को उदघाटित करने के लिए उन्होंने यह वाक्य कहा।

2. मैना की अंतिम इच्छा थी कि वह उस प्रासाद के ढेर पर बैठकर जी भरकर रो ले लेकिन पाषाण-हृदय वाले जनरल ने किस भय से उसकी इच्छा पूर्ण न होने दी?

उत्तर : मैना महल के ढेर पर बैठकर जी भर कर रो लेना चाहती थी पर पाषाण-हृदय जनरल अउटरम ने उसकी यह इच्छा पूरी न होने दी। जनरल अउटरम के मन में भय रहा होगा कि अगर उसने नाना साहब की बेटी के प्रति ज़रा भी सहानुभूति दिखाई तो ब्रिटिश सरकार का गुस्सा उस पर फूट पड़ेगा। उसे इसके लिए दंड भी मिल सकता है। क्रोध से पागल सामान्य, अंग्रेज़ नागरिक भी उस पर नाराज़गी प्रकट करेंगे। इस कारण उसने मैना की यह छोटी-सी इच्छा भी पूरी न होने दी।

3. नीचे दी गई पंक्तियों में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए-

जिसे तुम घृणित समझते हो, उसकी तरफ हाथ की नहीं, पाँव की अँगुली से इशारा करते हो?

उत्तर : प्रेमचंद ने सामाजिक बुराइयों को अपनाना तो दूर उनकी तरफ देखा भी नहीं। प्रेमचंद गलत वस्तु या व्यक्ति को हाथ से नहीं पैर से ही सम्बोधित करना उचित समझते है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. लेखिका ने छात्रावास का परिवेश बहुभाषी किस प्रकार था?

उत्तर : लेखिका ने क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज में पाँचवीं में प्रवेश लिया। यहाँ देश के विभिन्न भागों से छात्राएँ पढ़ने आती थीं। वहाँ पर ये छात्राएँ अपनी-अपनी मातृ भाषा में बातें करती थीं। वहाँ हिंदी, मराठी, अवधी, बुंदेली और ब्रजभाषा आदि भाषाएँ सुनने मिलती थी। सब हिंदी और उर्दू का अध्ययन करती थीं। इस प्रकार छात्रावास का परिवेश बहुभाषी था।

5. 'स्वतंत्रता सहज प्राप्त नहीं होती, उसके लिए संघर्ष करना पड़ता है, दो बैलों की कथा कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : हीरा-मोती की कहानी हमें सिखाती है कि स्वतंत्रता सहज ही प्राप्त नहीं होती है। उसके लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। आपसी मेलजोल से रणनीति बनानी होती है, जुल्म भी सहने पड़ते हैं। हीरा-मोती भी अपनी आज़ादी के लिए पहले ही दिन से हर संभव प्रयास में जुट जाते हैं इस दौरान पकड़े जाने पर डंडों की मार और भूख को भी सहन करते हैं परंतु अंत में अपनी स्वतंत्रता प्राप्त करके ही रहते हैं।

प्र. 5. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2×3=6]

मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं ।
मुकताफल मुकता चुगै, अब उड़ि अनत न जाहिं।1।

काबा फिरि कासी भया, रामहिं भया रहीम।
मोट चून मैदा भया, बैठी कबीरा जीम।2।

हस्ती चढ़िए ज्ञान कौ, सहज दुलीचा डारि।
स्वान रूप संसार है, भूँकन दे झख मारि।3।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

1. 'मानसरोवर' से कवि का क्या अभिप्राय है?

उत्तर : मानसरोवर से कवि का अभिप्राय है- मनरूपी पवित्र सरोवर, जिसमें स्वच्छ विचारधारा रूपी जल भरा है तथा हंस रूपी जीवात्मा प्रभु भक्ति में लीन होकर मुक्तिरूपी मुक्ताफल चुगते हैं।

2. मनुष्य ईश्वर को कहाँ-कहाँ ढूँढता फिरता है?

उत्तर : हिन्दू अपने ईश्वर को मंदिर तथा पवित्र तीर्थ स्थलों में ढूँढता है तो मुस्लिम अपने अल्लाह को काबे या मस्जिद में और मनुष्य ईश्वर को योग, वैराग्य तथा अनेक प्रकार की धार्मिक क्रियाओं में खोजता फिरता है।

3. तीसरे दोहे में कवि ने किस प्रकार के ज्ञान को महत्त्व दिया है?

उत्तर : तीसरे दोहे में कवि ने अनुभव से प्राप्त ज्ञान को महत्त्व दिया है।

प्र. 6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. सखी ने गोपी से कृष्ण का कैसा रूप धारण करने का आग्रह किया था? वर्णन कीजिए।

उत्तर : सखी गोपी से कृष्ण का मोहक रूप धारण करने का आग्रह करती है। सखी गोपी से वही सब कुछ धारण करने के लिए कहती है जो कृष्ण धारण करते हैं, सखी ने गोपी से आग्रह किया था कि वह कृष्ण के समान सिर पर मोरपंखों का मुकुट धारण करें। गले में गुंजों की माला पहने। तन पर पीले वस्त्र पहने। हाथों में लाठी थामे वन में गायों को चराने जाए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. कवि ने ऐसा क्यों कहा कि दक्षिण को लाँघ लेना संभव नहीं था?

उत्तर : दक्षिण दिशा का कोई ओर-छोर नहीं होता हम यह नहीं कह सकते कि इस निश्चित स्थान पर दक्षिण दिशा समाप्त हो गई है। यहाँ पर कवि ने दक्षिण दिशा को एक प्रतीक के रूप में शोषण से जोड़ा है कि शोषण का भी कोई ओर–छोर नहीं होता। इससे हम बच नहीं सकते हैं। इसलिए कवि ने ऐसा कहा कि दक्षिण को लाँघ लेना संभव नहीं था।

3. बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है?

उत्तर : बच्चे समाज का भविष्य, आईना और देश की प्रगति का एक अहम् हिस्सा होते हैं। यदि समाज के इस सबसे महत्त्वपूर्ण अंग को यदि आप उचित देखभाल और अवसर प्रदान नहीं करेगें तो समाज प्रगति कैसे करेगा। सभी बच्चे एक समान होते हैं, उन्हें उनके बचपन से वंचित रखना अपने आप में घोर अपराध तथा अमानवीय कर्म है। इसलिए बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान है।

4. भाव स्पष्ट कीजिए- खा खाकर कुछ पाएगा नहीं, न खाकर बनेगा अंहकारी।

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री मनुष्य को ईश्वर प्राप्ति के लिए मध्यम मार्ग अपनाने को कह रही है। कवयित्री कहती है कि मनुष्य को भोग विलास में पड़कर कुछ भी प्राप्त होने वाला नहीं है। मनुष्य जब सांसारिक भोगों को पूरी तरह से त्याग देता है तब उसके मन में अंहकार की भावना पैदा हो जाती है। अतः भोग-त्याग, सुख-दुःख के मध्य का मार्ग अपनाने की बात यहाँ पर कवयित्री कर रही है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. 'चन्द्र गहना लौटती बेर' कविता में चने के पौधे को ठिगना क्यों कहा गया है और वह किस प्रकार खड़ा है?

उत्तर : चने के पौधे के पास अलसी का पौधा होने के कारण वह छोटा प्रतीत हो रहा है। और वैसे भी चने का पौधा अपने आकार में छोटा ही होता है इसलिए कवि ने उसे ठिगना कहा है। साथ ही कवि ने यहाँ पर चने का मानवीयकरण एक दूल्हे के रूप में किया है, जिसने अपने सिर पर गुलाबी पगड़ी पहनी है और मानो जैसे वह अपने स्वयंवर के लिए खड़ा हो।

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [3×2=6]

1. डराने-धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी सही राह पर लाया जा सकता है- मेरे संग कि औरतें पाठ के आधार पर तर्क-सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर : डराने-धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी सही राह पर लाया जा सकता है। यह बात हमें लेखिका की माता द्वारा चोर के पकड़े जाने पर उसके साथ किए गए व्यवहार से पता चलता है। चोर के पकड़े जाने पर लेखिका की माँ ने न तो चोर को पकड़ा, न पिटवाया, बल्कि उससे सेवा ली और अपना पुत्र बना लिया। उसके पकड़े जाने पर उसने उसे उपदेश भी नहीं दिया। उसने इतना ही कहा- अब तुम्हारी मर्जी- चाहे चोरी करो या खेती। उसकी इस सहज भावना से चोर का ह्रदय परिवर्तित हो गया। उसने सदा के लिए चोरी छोड़ दी और खेती को अपना लिया। यदि शायद वे चोर के साथ बुरा बर्ताव या मारपीट करती तो चोर सुधरने के बजाए और भी गलत रास्ते पर चल पड़ता।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. 'रीढ़ की हड्डी' पाठ के आधार पर उमा की माँ 'प्रेमा' समाज के किस वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रही है और कैसे?

उत्तर : 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में उमा की माँ 'प्रेमा' भारतीय घरेलू माँ का प्रतिनिधित्व करती है। प्रेमा एक साधारण घरेलू महिला है, जिसके अनुसार स्त्रियों को बहुत अधिक पढ़ाना उचित नहीं है क्योंकि इससे वे सिर पर चढ़ जाती है। प्रेमा के लिए काम चलाऊ पढ़ाई-लिखाई उचित है। अपने बेटी की विवाह की जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए वह अपने पति के झूठ में भी शामिल हो जाती है।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए। [10]

बेरोज़गारी

देश में बेरोज़गारी का बढ़ना एक बहुत बड़ी समस्या है। यह समस्या नवयुवकों के लिए निराशा का विषय बनी हुई है। हमारी अधिकांश जनसंख्या बेरोजगारी के कारण भूखे पेट सोने और शिक्षा विहिन रहने के लिए विवश है। उसके पास किसी प्रकार की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। भारत एक विशाल जनसंख्या वाला राष्ट्र है। जनसंख्या जितनी तेजी से विकास कर रही है, व्यक्तियों का आर्थिक स्तर और रोजगार के अवसर उतनी ही तेज गति से गिरते जा रहे है। भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए यह संभव नहीं है कि वह इतनी बड़ी जनसंख्या को रोजगार दिलवा सके। भारत में बढ़ती बेरोजगारी को बड़े पैमाने पर व्याप्त अशिक्षा और भ्रष्टाचार समान रूप से बल प्रदान कर रहे हैं। औद्योगिकीकरण ने भी बेरोज़गारी के स्तर को हमारे देश में बढ़ाया है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

बेरोज़गारी के कारण देश में आपराधिक वारदातों से संबंधित आंकड़ा भी दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। सरकार द्वारा इस समस्या को दूर करने के लिए अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है।

सत्संगति

सत्संगति अर्थात अच्छों आचरण वाले लोगों की संगति। मनुष्य की संगति ही उसके व्यक्तित्व निर्माण को प्रभावित करती है। इसी लिए प्राचीन समय से धर्मग्रंथ तथा संत लोग मनुष्य को सत्संगति के लिए प्रेरित करते आए हैं।

कबीर तन पंछी भया, जहां मन तहां उडी जाइ।
जो जैसी संगती कर, सो तैसा ही फल पाइ।।

यह सच है कि मनुष्य जिन लोगों के साथ उठता बैठता है उनके स्वभाव और गुणों का उन पर प्रभाव पड़ता है। संत के साथ रहकर मानव कल्याण की बात और चोर के साथ रहकर चोरी जैसे अवगुण की बात सीखने मिलती है। अच्छी संगति हमारे अंदर के संत को और बुरी संगति हमारे अंदर के दानव को जागृत करती है। सत्संगति मनुष्य एवं समाज के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। सत्संगति मनुष्य को समाज में आदर पात्र बनाती है। सत्संगति मनुष्य के व्यक्तित्व और जीवन को सुंदर तथा प्रगतिशील बना देती है। दुर्जन का साथ पग-पग पर हानि पहुँचाता है।

निरक्षरता एक अभिशाप

निरक्षरता मानव जीवन में एक अभिशाप है। निरक्षर नागरिक किसी भी देश के लिए अभिशाप होते हैं। अशिक्षित होना एक अभिशाप है, देश के मस्तक पर कलंक है।

निरक्षरता के कारण देशवासियों को घोर संकटों का सामना करना पड़ा है, चाहे वे सामाजिक हो, राजनैतिक हो, आर्थिक हो अथवा वैयक्तिक हो। शिक्षा के अभाव में न हम अपना व्यापार ही बढ़ा सके और न ही औद्योगिक क्षेत्र में

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अपेक्षित प्रगति कर सके। जमींदारों, सूदखोरों ने निर्धन किसानों का शोषण उनकी निरक्षरता का लाभ उठाकर ही किया। पीढ़ियाँ बीत जाती थीं, किंतु कर्जे से मुक्ति नहीं मिलती थी विश्व में साक्षरता के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए ही संयुक्त राष्ट्र के शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने 17 नवंबर, 1965 को आठ सितंबर का दिन विश्व साक्षरता दिवस के लिए निर्धारित किया था। 1966 में पहला विश्व साक्षरता दिवस मनाया गया था और तब से हर साल इसे मनाए जाने की परंपरा जारी है. साक्षरता दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य आम जनता को साक्षर होने के लाभों से अवगत कराना है।

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने भारत के लिए निरक्षरता को एक अभिशाप माना और आजादी के 60 साल के बाद भी हम इस अभिशाप से मुक्ति पाने में पूरी तरह से असफल रहे हैं। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि साक्षरता का अर्थ केवल पढ़ने-लिखने और हिसाब-किताब करने की योग्यता प्राप्त करना ही नहीं है, बल्कि हमें नवसाक्षरों में नैतिक मूल्यों के प्रति आदरभाव रखने की भावना पैदा करना होगी।

आज विश्व आगे बढ़ता जा रहा है और अगर भारत को भी प्रगति की राह पर कदम से कदम मिलाकर चलना है तो साक्षरता दर में वृद्धि करनी ही होगी। शिक्षा देश के सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और राजनैतिक उत्थान के लिए बहुत आवश्यक है। शिक्षा से ही मनुष्य अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होता है। मनुष्य शिक्षा के अभाव में दुर्बल, निसहाय, अंधविश्वासी आदि दुर्भावनाओं से ग्रसित हो जाता है।

निरक्षरता के अभिशाप को दूर करने के लिए कोई उम्र या समय की सीमा नहीं होती इसलिए हर व्यक्ति को अपने जीवन में अक्षर ज्ञान प्राप्त कर नया उजाला लाना चाहिए। हम अपने देश का कल्याण करना चाहते हैं, तो प्रत्येक देशवासी का शिक्षित होना आवश्यक है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 9. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

1. छोटी बहन नक़ल करते पकड़ी गई है, उसका दुष्परिणाम बताते हुए उसे पत्र लिखें।

सेंट थॉमस छात्रावास

कमरा 234

पुणे

दिनाँक: 25 सितम्बर 20xx

प्रिय दीक्षा

स्नेहाशीष

कल ही पिताजी का पत्र मिला पढ़कर तो जैसे मेरे ऊपर तुषारापात ही हो गया कि तुम परीक्षा में नक़ल करते पकड़ी गई हो। मुझे तो विश्वास ही नहीं हो रहा है कि हमारी दीक्षा भी ऐसा काम कर सकती है। बहन यह ऐसा दाग है जो मिटाए नहीं मिटता, परंतु अब जो हो गया सो हो गया पिछली बातों को भूल कर नहीं शुरुआत करो तथा मन भटकाने वाले मित्रों से दूर रहो।

आशा करता हूँ कि तुम इस गलती से सबक लेकर अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करोगी। अपना ख्याल रखना।

तुम्हारा अग्रज

मोहित

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. आपके मोहल्ले में बिजली-आपूर्ति नियमित रुप से नहीं हो रही है बिजली-संस्थानक के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

सेवा में,

मुख्य अधिकारी

बिजली संस्थान

दिल्ली।

दिनाँक: 5 मई, 20 xx

विषय : बिजली-आपूर्ति नियमित करवाने हेतु आवेदन पत्र।

महोदय

सविनय निवेदन है कि मैं सीता नगर का निवासी हूँ। मेरी कॉलोनी में चार दिनों से बिजली की आपूर्ति ठीक से नहीं हो रही है। दिनभर में केवल एक-दो घंटे ही बिजली आती है। इस कारण हम नगरवासियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। गर्मियों के दिन होने के कारण सभी नगरवासी त्रस्त हो रहे हैं।

बिजली व्यवस्था एक आवश्यक सेवा है। आशा है कि आप इस समस्या पर गौर करेंगे और शीघ्र ही आवश्यक कार्यवाही द्वारा कॉलोनी में नियमित, बिजली पूर्ति की व्यवस्था करवाओंगे।

धन्यवाद

भवदीय

प्रवीण पांडे

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 10. निम्नलिखित किसी एक विषय पर 25-30 शब्दों में संवाद लेखन करें। [5]

1. विद्यार्थी और बस कंडक्टर के बीच हो रहे संवाद लिखिए।

कंडक्टर : टिकिट टिकिट..

विद्यार्थी : 1 अभिनव कॉलेज स्टॉप

कंडक्टर : 10रु.

विद्यार्थी : मैं तो रोज 8रु. में जाता हूँ।

कंडक्टर : हाँ! जाते होगे परंतु आज से भाव बढ़ गया।

विद्यार्थी : क्या बात कर रहे हैं? तीन महीने पहले ही तो 6रु. से बढ़कर 8रु. हुआ था।

कंडक्टर : अब हम क्या करे? महंगाई बढ़ती है और सरकार दाम बढ़ाती है।

विद्यार्थी : हाँ महंगाई बढ़ती है इसका भुगतान जनता को ही करना पड़ता है।

कंडक्टर : क्या करे?

विद्यार्थी : हमें सरकार से बार-बार टिकट के दाम बढ़ाने को लेकर शिकायत करनी चाहिए।

कंडक्टर : हमारा तो काम है यह, आप बाबू लोग देखों।

विद्यार्थी : ठीक है, हम ही कुछ करेंगे।

2. दो सहेलियों के मध्य वार्तालाप पर संवाद लेखन लिखिए:

रिया : सुप्रभात! नीना।

नीना : सुप्रभात! रिया।

नीना : रिया विद्यालय में सर्वप्रथम आने के लिए तुम्हें अनेकों बधाईयाँ।

रिया : धन्यवाद रिया।

नीना : हमें भी अच्छे अंक लाने का उपाय बताओ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

रिया : नीना सर्वप्रथम आने के लिए कड़ी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास की आवश्यकता होती है, जिसने इस मंत्र को जान लिया वही सफल हो गया समझो।

नीना : ये बात तो तुमने सोलह आने सच कही।

रिया : अच्छा! नीना अब चलती हूँ।

नीना : अच्छा! रिया फिर मिलेंगें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in